

अवसानधायवाक्यकट्धायपान्निगुषासूयन्नेकवायूरान्नप्रतृङ्गधायजीर्णमर्वप
 दाथिनत्रविनाधायनानातितासव्यवाय॥सिसेल्लगमेरयग्गपल्लेवनडपवाससंश्वक
 धायनानातितागव्यवायसिसेल्लगमेरयग्गपल्लेवनडपवाससंश्वक
 कात्रगध्वगवीधाननवागनायद्रयरुव॥ पात्ररुसंकीचक्षत्रातुल्लध्याम
 त्वगव्यथचक्षत्रगर्ग॥ सप्तत्वःशीगत्वखनत्वश्मश्वकम्मिनिकवाथा॥पुवदः
 कितल्ला॥ पात्ररुसंकीचक्षत्रातुल्लध्याम
 वंचयुअठिआ०आस्यापुवद्वारगयुयुद्धैरुदयुआवाढयुअग्गगयुआजानपु
 नागपाअसप्पानाएअग्गीवनागयाथिअकम्मिदुयु॥ सिग्गसिस्सुनवृष्सा

॥ श्री ॥

वत्सलवर्नस्वादा सुगे गगपागसा नात्यकृ नवस्मि मय मदिता र्म वा ह भे मर्द द न स द
द नित्र द न भ्रम न स रौ प ना दा दि क पा ना दा ल वि द न र ह ष कृ मि द वा ग प्र भ किं यः
न ग ॥ ॥ सि ज्व धे य च क ना य ला क प दा र्थ भ का के प्र चान भ भू कु द्र य म यः
थ व ल वि व द न स र्ध सु वा कृ ल वि आ दि भ म धू न द्र व न प द प दा र्थ न र क न
प्र चाल न नि रा त न को क ल व भ गृ मी ठ द्र य ट व र क न न सूर य दा र्थ ग व र न क
न न म र्द द न यो य पा यः ध स आ दि न च त ति दा य क सूर य गृ यो दा र्थ न व न प्र चा
न भ यो द्र त प न प्र दा र्थ त्व न प्र दा र्थ च व द न र्प र्थ न र्थ भ या य ध्व गे वा ग नो य भः
क्रिया य वि धि ॥ ॥ वा ग द्र स ग ति किं सा द्रा य ॥ ० ॥ ॥ र्थ कृ को लो ट कृ लः

२

समाग ० नसुंढी ध्वगे समरागयाठ नदासंत्तदवागहननाग ॥ • ॥ सातपत्नी पृष्ठ
पक्षीपृक्कं ध्वगिनिर्लिंकं ० गिनिम्भवानमसं ६ ध्वगे धासलखदास्यंत्तं न वागहन
पारिंजव ॥ ... ॥ गुगुः गुकषि ० ध्वगे दास्यंत्तं न वागहनलरिंजव ॥ ... ॥ गुडिगुम
प्रात्रका थादाया वसुं सुर्थत्तं न आमवागसकुल स्यात्तं न यात्री गधु मवेत्तं न
ज्वधस यमसपानसधगे दानचौरायमडिल्लं रीं ज्व ॥ ... ॥ ध्वगवक्रागदागुगु
गुदवदात्रुक्कं पूर्णं ० ध्वगे दास्यंत्तं न वागनायनाग ॥ ... ॥ आरागनक्राग
दयक्कं लंदायकापठनधस्यंत्तं न वावत्तं न के द्युतदायध्वगे विधमभ
ल ॥ ॥ ध्वगिदवदात्रुमाहनल्लिंकं ० गिनिध्वगे दायावगत्तं न वागहनसुरिंजव ॥

॥ श्री ॥

अदवालः दूनालं रं शुभं शुभं मुदिमस्तु ध्वने दास्या त्वेन नर्क वागसहिं ज्व ॥ ॥ श्री ॥
अदवालः पिपत्रीः दिगुरुलपं वहात्रुलिकं ७ धीं शिनि श्रीकं धीं शिनी दूनालं रं
अनंद पदध ध्वने काथदायावसूठि चूननरु स्ये त्वेन नर्कः जं शुभं वः वः जलं मिलकः शु
गिस्पाक आदि नरु वरु ॥ ॥ पिपलि वरु शुभं मुदिज्व वरु यमूनिः ज्व धीं शुभं
दा ॥ ध्वने का कलं खस रुदुर्त्वन नर्क आम वागसहिं ज्व ॥ ॥ क ॥ दनरु वं शुभं ध्वने
का कलं खनरु स्ये त्वेन नर्क आम वागसहिं ज्व ॥ मित्र ॥ गस्याल आम वागसनया
जि धूमे वं लहिं ज्व ॥ ॥ गुगुदः शुभं शुभं गालः यमूनिः ध्वने समरागयाका
कात्रे पलं खस रुदुर्त्वन नर्क आम वागसहिं ज्व ॥ ॥ ध्वने वागयाका नयाडीष ध ॥

३

पाठकः ॐ स्मिमीदिः शुक्म्यालमर्मसं ६ ध्वगकस्तीनकवालनस्यैवागपीरुना ॥ ॥ मू
सुग्वकशहादलः यक्षचः पिपयि ॥ ध्वगसमरागयाचकस्तिनवालनकवागपिर्दुसरीज्व ॥
वैसयाचक्षीयूपकैणजः संवत्तचः दूयालरः पाठकः पिपयि ८ साषलकष १ कस्तिनवालनः
स्यवागपिर्दुसरीज्व ॥ ॥ नवेचचः शुक्म्यालः पाठकः स्मिकउः डिजिरुलः नूपकैणजः
पस्किजात्मलः ध्वगसमरागकटिनवालनकवागपिर्दुसरीज्व ॥ नुनाः पाठकः नवेचचः
वः मीदिः सः मयचः पिपयि ९ शुठिदूनानेरः खजः पाठकः दुगायापिर्दुध्वगकस्तिनवालनः
नस्यैवागपिर्दुना ॥ ॥ वाजः उर्सनहासादनः श्रीखदु १ ॐ स्मिमीदिः गुगुदः आदः
नः साषयः दार्शजकस्तिनवालनमसश्वालेनवागपिर्दुसरीज्व ॥ ॥ गाजीनवणयाः

चनः प्रपके ननः जिनिः सर्वस्व च मज चः पिपे जी तुं टिल वं चः शुर्क म्यालः पाठकः ध्वग सम
 ए ग या द्रम वा स न । वच्छि साष च वच्छि वृ न या द न वः पि रु ना नः रूची क नः अ ग नि क न ।
 पं प निः अ न न ज वं ह । शुर्क म्यालः द न ज र क र्क टा सि पूष्क प जामू जः म ज चः मूक्तः साष चः
 रु ग या द द ड क सि न वा स न वा ग पि रु या ना न ॥ ॥ श्री ख लु वा स वं न ज च धः पि प नि
 शुर्क म्या ज ज वं ले चः प्रपके न ज श पाठक का ० प लं मूक्त ड न ज दाः प्रयं गु च वं च जि जीः
 सा रु नः रु न द रि उ वः अ व जः वे द न द ड न रं दाः ए क धः रु व गः गा ली न जि नी लः साष च
 ध्व ग सम ए ग या द न य वा ग पि रु या रि उ व ॥ ॥ वा ग लु ष म या ना र्जी वि द्र ह म क ॥ ॥
 वृ ष नु दू ष ग पु ग मू स्या ग मू ष वा ग जा ॥ ॥ रु डं ग म दि ग स्त्र ने ना क ह स न ग नि प्र रा

॥ ध ॥

॥

वाग्लुप्तसमूहगणसयनिधुर्वधुर्व॥ ॥नेदान॥सेमीलीपर्वनाएधानिजागेसमव
चसिनाशुद्रप्रगिस्पायकाणक्षेद्यप्रवहेनसगाधामध्यवेगचवाग्लुप्तसमूहकिगि॥
वाग्लुप्तसमूहपुमर्क॥ ॥मिरयानधाविदयीत्रयगिका०स्यापूर्वः॥दमद्यायत्र
जीम्यागीत्रमादस्यायूःन्यावमसदायूःभासकदायूःचत्रगिदायूःमरुयीत्रय्यकदायूः
कोगमशयूः॥ध्वगेविधाननवाग्लुप्तसमूहजयचनानप॥ ॥ध्वयाचिकिच्छाद्राय॥
जीमिद्रजःशुकम्याजःशिकटुद्रिजिहकद्रिजिःदूजारीहीसंवत्तध्वगसमरागकस्तिः
नवाजभकस्यवाग्लुप्तसमूहसहिग्व॥ ॥दूजारीहपूस्वयामूजःकर्कटासिःगिकटु
ध्वगसमरागकस्तिनवासनस्यवाग्लुप्तसमूहनाण॥ ॥शीठिपिपनीःद्वयदःअवः

जवेद्यदः ध्वग समलगकस्तिनवालनर्प वागल्लुष्मयारिज्व ॥ ॥ गात्रिस पूष्क नामूलः णः
ठिकर्कगामिः वंन जातन सर्वस्वच प्राटकः सुक म्पोल कूट ध्वग समलगकस्तिनवालनर्क
वागल्लुष्मनाण ॥ ॥ कंठगिजिगुगुद ठुं ठि पूस्क नामूल ध्वग समलगगया दानेय पेषा
सकि वोल्यनर्क काथयार्पस्व ननर्क वागल्लुष्मक जसरीज्व ॥ ॥ पीम्यनिः पिपज १२
मूलः सिपिचगक ठुं धिथगक समलगगचूनयो दानक वागल्लुष्मस पूजसरीज्व ॥
पूस्क नामूल ००० द्रव पिपलि ठुं ठि मजच जर्वस्वचः वंन जातर्प ठुं क म्पोलः नाग
स्तिन ध्वग समलगकस्तिनवालनर्क वागल्लुष्मसरीज्व ॥ ॥ पलिकेण जः नूपकः

॥ ध ॥

भागकिपस्कनामूनध्वगसमरागचूनधनीगिसकास्येचनकवागलुषमसअगिसाचः
गगलिरिट।ध्वस्वच्छाददाःपिपनिनठिठुठिलिएकथीगिनीठिकथीगिजिपस्कनामूनः
ध्वगसमरागकस्तिनवालनवागलुषमसरिज्व॥मूसुपिपलिदनदशुठिपस्कनामूः
सठिध्वगसमरागधलनवालनवागलुषमयारि।ज्व॥ कउव
सपूःपस्कनामूनःकर्कगागासिःमूसुमजिचसठिध्वगसमरागचधीयादापालूमि
नवाजमवागलुषमसस्याकनगरुद्धिस्त्रमासाकदासध्वसमध्वगसरिज्व॥ ॥ठु॥
ठिसूकम्यालेजवस्वचःपिपनिध्वगसमरागकस्तिनवालनवागलुषमयारि

[illegible]

एषामसंज्ञा ॥ मूलावकनः बाल उ गत हा प्रक च द नः शुचि धाग कार्थ्यास्य च द दीः
दीव दाल स र्ज्ञा ॥ ॥ एरु रा ल व द शु क म्या ल ल व त्व च ध ग स म ल ग या ठा क सि न वा
ल न क प्रि ग ए ष म स र्ज्ञा ॥ ॥ अ रि ज हाः शु क म्या लः व ण ना च ह ज व त्वा च ध ग स म ल
ग या ठा वा न न व च्छि सा ए ल व च्छि या ठ म र्ज्ञा ॥ ॥ ध य क सि न वा ल न पि रु ए ष म या ग र्ज्ञा
॥ ॥ प्र य गु ल व त्व च शु क म्या लः पा ठ क क मू ला वि दि से र्ज्ञा मि दिः पी य जिः पूः
स्व ना मू लः द ना न र्ज्ञा ध ग स म ल ग क सि न ल न पि रु ए ष म या र्ज्ञा ॥ ॥ ल व त्व
च शु क्त म्या न पा ठ क पिं पि नि क क ठा सि क य व म य पू स्क मू ल ध ग स म ल ग क सिः
न वा ल न क पि रु ए ष म स र्ज्ञा ॥ ॥ द ना ल र्ज्ञा पिं पि नि क क ना सि मू स्क प्र य गु पू स्क
ना मू लः ल व त्व च शु क म्या ल पा ग क ध ग स म ल ग या ठा सा प न व च्छि या व क सि न वा

लनकंपिरुं दुष्प्रसक्तिं ज्व ॥ न वं संच भुक्तं म्याल पाटक गात्रि गजि जी कर्क गा सिं
 धर्मे सम एग कस्ति न वाल क्षीपि र्दुष्प्रसक्तिं ज्व ॥ ॥ अल्प स अ व लं पि प जि भु
 ठि भुक्तं म्याल द नार्ज रं दा क्ति च वं ड पू र्क नो मूल मय च कर्क गा सिं मू र्क धर्मे सम
 एग कस्ति न वाल न पि र्दुष्प्रसक्तिं ज्व ॥ ॥ पि र्दुष्प्रसक्तिं धर्मे ॥ मि दा धे क
 ॥ ध ॥ यय प्या ना दि चि द्वा र्क ॥ ॥ क दा चि त्स च ग म ना क दा च द द वा दि नी ॥ मि दा
 व का प र्क्या ह नि च स्त न वि च ना ॥ का ह्द क्द द दि व क्रा ग्रा क्षी वि चि ना ग र्म ग र्म स निः
 पा ना ह्द वा ना दि प्रा ह्द प्र ह्द प्र वा ध नी ॥ ॥ नि दा ना वि ज सा ना न र्क प्र नि दा ना सो ह्द दि
 च धा स्वे द मू प जी वा क्षी चि ना र्द न न म ल्प न कृ ष गां ना गि ग म ग्रा क्षी प्र ग र्म क ६ कृ ण र्म की
 व क्षी व न क्ता नी म द ला च्च द न ग न ॥ मू व च्च प्र ग र्म सी वा की शु र्त्वं मू द न स्प च ॥ ॥

विद्यात्याकस्वदोषाभीसनिपागावा नाकुगि॥ मायुर्द्विभमरुयुप्यागचायः द्वंद्वमहायुर्लूग्वगमः
छिनीवचजगिदायमसमूतचिरायधवथाकिंवगावगिवयूक्तमलगयकंसहृदिद्विदि
प्रनिवाज्जसज्जठवचवनिशाठचाकचाकदायूत्वद्रायमरुयुद्रसपागसकक्कवयिप्य
गरुर्द्वधयून्यापदार्थजीह्वुहममरुयुध्वगजकुधनसन्निपागकजसये॥ ध्वयाचिः
चित्त्साद्रायगायीप्रनिमजचर्तुठिहकजीजीद्वनार्त्तं कदवसंप्रःपूष्कनामूलकर्क
गासिध्वगसमगणगकस्तिनवालध्वनिसनिपागक। त्रासर्तिज्व॥ पूष्कनामूजद्वजाज
जरेषीपयिकर्कगासिध्वगसमगणगकस्तीनवालनकसन्निपागकलयाचउरद्वलद्व
धीपयिलवध्वचवर्धगलीचध्वर्धुर्कम्यालसमगणगकस्तिनवालनगिदाषयाहिज्व॥

कण्वसंपूर्णकटासिपाटकनूपकेणनसूकम्याचलवंदमनचपिपनिदजालेएपूस्कनाः
 मूनदकजिनसावेजसमरागयाठकस्तिनवालनगिदाषसरिउव॥ ॥लवंदकुक
 म्याजपिपनिगिरुनासमरागकस्तिनवालनगिदाषयारिउव॥स्वत्यलवजमदि॥ ॥
 जवंदककोनाजागिकीगयाठकनूपकेणलपलिकेणनकोपललवंदत्वचःशुकैः
 म्यालःगिकगुवानःअगुलिष्टुगायासूयनेद३१सावलवणलाचनपिद४ध्वगकस्ति
 नवाननकेगिदाषयारिउव॥मध्यजमदि॥ ॥मिदिसंप्रागकवालरवकैर्धपिपः
 निकर्कटासिंपूपकेणनशुकम्याचनवत्वचगिरुनापूस्कनामूनअगिजसदनानरा
 ध्वगसमरागकस्तिनवाननकेगिदाषसरिउव॥ ॥लवंदककोनाजीवष्टुवणना

॥ध॥

१५

वन॥ लवीं छत्तु च हूक म्याल पाठक नृप कण चमल च पिपयि ग्रीं जी जिहा क डि जीय मनि पयिके सन
व्यु नीटक नाप ह व्या लज नामा सिवाना ८ क पू न ड न ज हा डि जि ह ल रि म ज ग सा ष थ गे सम लग क कि
न वा ज ह क स नि पा ट या रि उ वा ॥ ॥ वृ ह न डी ग म दि ॥ ॥ ति थ ष द ना नू चि ता क पी न स र हू म स
हि का ह द य ग ज ग ह म ह ठो प ना धा ग म ह ष प थू वि स र्य ग ह मा द न म ग्रि व ह न ॥ प्रा ना र्थं य त्वा द गि दि वा
मा ष र्थं वि स र्य प्रा प्रा गि र्थ मा ज रु त पु द गुर ॥ स्व स्ठा र व त्पू र्ण म जी ज नि वि व गं स र्वा न द द र्थे म नि ॥
रि व ना य थ ध ग ठ डी ग ज न गि वि ग स र्वा न द द र्थे म नि गि ॥ दा ष मा लं अ नू चि मा सा क पी न स र्वा
स हि क ल ग व उ म छि ठ हि छि डि जी प नि अ च ग न प्र हा प नू क यि कू ह य र्थ ग क क क व व र्थ ट दं द
मा व र्थ ग ना य अ दि ध ग ना य मा सा क अ ग्रि क य थ दि वा न ष थ प्रा ष र्थ म इ न ठा र्थ न क क

विजस्तायागीगगादसुपादसुयो॥ अगानियस्यचियस्यचिद्रानिसकात्रज्ञउद्योगे॥ कालकृजसंय
निदादादाएवयस्यदिवाणिगर्कजायगे॥ करूपूजितकलुस्यगस्यमृपूकंविध्यति॥ मृएद्र
इय॥ ॥ अनिनायागिपिदुर्चैपिहेयागिकरुगृह॥ करुस्यकलुमासृएद्रलुहंगस्यश्री
वनी॥ म्वायदलुह॥ ॥ ॥ हृदयैर्चंगधमनामपानिपादोचणीगलंविजस्तायाएववस्त्रः
स्यगस्यमृद्र॥ एवीधंग॥ श्रीयू॥ हकात्रणिगथायस्यसं कालंअंगनिमंएवंमहावादा
एवेप्रस्यगस्यमृएद्रविषंग॥ मृएद्रइयू॥ अंगकंयोगिर्दुर्गंवर्धुप्रवर्तनवचश॥ गच्छ
स्वादनजानागिसगंकेप्रममच्छिगजे॥ ॥ ॥ कृजम्वेदाएवेप्रस्यमृएद्रस्वासप्रवगे॥ अ
हनादिअधमवादा॥ अपिकालावत्राकिग॥ काननसाक॥ जीगजपाधिपादीचसीगजं॥

॥ध॥

नारिमसुसुमिलसाधारवस्यस्यमृत्पातवीधन॥मृत्पदयू॥ ॥अत्रुधगिधूरवहधेव
विष्णुमिहप्रदानिचआयुदिनानपठ्यन्निचतुर्थमाहमामहुरे॥आयुददसं पणामत्वेदरु
कयाअनर्थ॥३॥अत्रुधगिरवज्जिह्वाधूरवंनाअग्रमृत्पात॥द्रुवाम्मिधपदद्रुयागात्रकाः
माहमदत्त॥धनमर्षनिव॥जिह्वाकृष्णारवस्यमयंचकृमात्रुध॥द्रुवाम्मिधपदद्रुयागात्रकाः
मृत्पदयू॥मृत्पदयू॥कृष्णुलीनीपिष्टुगयस्यवागाआदात्रवधन॥आदापादकृत्तय
स्यसर्वर्षनविनअगि॥दाहिनसियू॥३॥धनाविन्दुसमरुधेवपगिगात्रमदीगलसफास
जायममृत्पूकासद्रुमपूराग॥द्रुसद्रुनसियू॥णीजीनगाविनायकात्रुद्रुपस्यविन्दुअर्ष॥ष
द्रिम्मासैनशीप्राशीजायमचयमालय॥धनअर्षनपूनाचठियू॥ ॥अथकापा॥

वसुसेवनाम्नाससयुगं॥वलसेपतिगानित्प्रेमाथमेकंरजिवनि॥नष्टिचसिय॥अंगक
थाएवअस्मैअनेत्रपनिठुषिगेदुदयदअनेयसभापिकागोविसोकिगं॥एवअकात्रभसा
का॥॥सपम्येषुवहनेसूर्यसामंचेवनदधनेपजाभीजायगेमृदूकालइनेपूरावि
गे॥थथिंउभंअंवालिचिंठियूव॥॥शेम्पेदभंजायगेद्विहवअस्मैअगावकासुहो
वच॥गुगुअकिहवअस्मैसापिसाधिनसंभया॥थथिज्वनागीम्वाचकेजिव॥॥
पानिपाकेहवदृषुदाद्यम्बत्यगेमृगे॥जिह्वाकोमलगायागिसनागीनचिस्यगि॥थथिज्व
अंउअंम्वाचकेजी॥॥निद्रासोअहवअस्मैअचनीडहमेगथ॥॥देशीयोनिप्रचानि
सनागिअविलस्यगि॥॥थनागीम्वाचकेजीव॥॥स्वदेहिनाईनयस्यनासास्वाहप्रः

वर्तमानकुरुषुपिकरुहिनस्यगजीनानविनस्यगि॥थथिगुलिनागिमसिग॥ ॥चमय॥
 सकलयस्यगधसकटेनरवेगकनानिगकषुसासजिवानागुंजय॥थथिगुनीगिमाके
 पूत्रखडी॥ ॥लाचनेरषडंवाकेस्वल्पयालंघनपूचा॥गिनेवाएवक्रस्यसजिनाः
 नागयस्य॥थगिगिंम्वानकेडीवखव॥ ॥विषमकृपनिदानज्ञायानिर्यंसकगिका
 वागात्पीलादेकादिवामन॥रुष्षधिकरुगीयम्यात्मत्रिपामचउदकं॥थयाअर्थ॥वः
 गनवचीकृद्विथनयूवापिगाधिकयाछद्रुअननवयू॥रुष्षधिकनम्यद्रुसवयू॥ ॥
 सन्नपाननयद्रुसवडीयू॥ ॥पिरुद्रुष्षएकमहीपृष्ठवागकदात्मक॥वागपिरुद्रुछि
 आग्रहिठिविधस्यंरुंनियकं॥थगयाअनर्थ॥पिरुद्रुष्षनगिनकत्रयू॥वागरुष्ष

॥ध॥

१८

सर्वथावागपिरु नमादनवयाः सचिपान्नयानेवयः॥ ॥ चिकूयायचिच्छा द्राय॥ ठुकेम्यालमः
मर्यादकं मस्रलवेउमंस्रलवत्तममंस्रडीयिद्र लछाऽडीयिमसंष्टयिंपत्रिमंस्रदकडि त्रिमस
कालवासमीष्टरूपकं जयमंस्रगसापलमंस्रशून्यदिप्रतिमंस्रगुिधगुनववचिक्कनाथ॥ ॥ ॥
लपधूमंस्रदभूमजमंस्रदवदायमंस्रदकालमावाथमंस्रदुठिमंस्रदसाधनमंस्रदकमिनवालनकी
चिकूयामंस्रिगव॥ ॥ ॥ रूपकं जयचोयसददूप्यवासिक्कवालनकंदोस्यगल्लुहावत्तनचिकूयाति
गुठुगुठुंठिविकेनमंस्रैरवागैधगल्लेवननंस्रैत्वनकीचिकूयायदवत्तव॥ ॥ ॥ प्रपटालमडिलीरुल
सावल्लेखीसंत्वननगापद्वजनाथ॥ ॥ ॥ अपामागदान्यानमदस्यल्वचयाकमल्लकोनमिलित्वा
सोसचस्यत्रकान्नजयचचिकूनाथ॥ ॥ ॥ गवकोवददाद्रुगुकांनमिलित्वासीधस्यत्रकान्नजनी
स्वद्वेष्टवच्यीद्रसववनादवत्तव॥ ॥ ॥ दनदवद्वज्जस्यध्वानिसमंलगचत्तयादाकमिनवा

लनकीचिकु नाभा ॥ सुकम्पलरागजवेठराग ॥ पिपनिरागपिपयराग ॥ ध्यादाकमाया रागकाल
 वागलेखननस्यगुठिकदयकंकस्मिनवासदिनप्रगिनस्यचिकु नाभाचिकुयायमरव ॥ ॥ ॐ नमः
 दक्षध्वोय नमः ॥ सतवायद्वैरुद्र स्वादा ॥ कोलायमेकं ॥ ॥ ध्यादादपूनमायावसाखनः सचरुः
 दावर्त्तेनकंकजणधनवयू ॥ ॥ श्रीतुलुनउगलयनकणजलेषनस्यस्वनकंदेदेयनापनालरि
 ॥ ॥ गलश्रीयसाखजववेनक्षाम्पेत्वनकंदेदनापनालरि ॥ ॥ उगयदावत्तसेचधमनिअलंउ
 दावासीरुनननस्येक्षसनीमाउगनोपाया ॥ नापनालरि ॥ ॥ ॐ नमः ॥ सुकम्पलरागवेठकटसाउगटवक
 नकलपेक्षानेस्येक्षद्वयसगापनालरि ॥ ॥ वदियावात्रअध्वयस्यगिदनामुउगुवसिलीखन
 नस्येक्षेनगलयजपेपिदिद्वयसगि ॥ ॥ अं वत्रस्यरुननस्येक्षनगललास्यद्वैरुद्रसपादन
 नगिदादनापनालरि ॥ ॥ ॐ नमः ॥ विननरुशरुद्र स्वादा ॥ ध्यागमनुधमनसुकोस्यनः

॥ ध ॥

१८

[illegible]

हिमवात्येनकेणैवावस्थानमेस १ अग्निमंदवागभूयसं हिंज्व ॥ ॥ यमनिमृदा कुल
धमेसमलगकायवेसदास्यत्वेनरुसमेयानरुमेयादयकंसूद्यनरुस्यत्वेनआमगना ॥
यसकटजीविमसूवायधमेयवाकगिननेस्यत्वेनकेआमभूयना ॥ ॥ गिकुतुअजमादस्यदु
यीकभूजिविदिंगुणलगनकाठनधेयनेवासकाकडासर्थदगेमंस १ अगधिमदआमभूलना
ण ॥ ॥ यमनिमृदिपिंपयिमयचस्यंधिजिदिदेगुधमेसमलगनूनयाडाधेयनवालहुधक
वसप्रबोनवागभेनाअग्निवृद्धि ॥ ॥ टिकंगुशिपूवायवअत्रदवेकनसकायाडीमयचनूनन
स्यत्वेनआवाकाहृहिंज्व ॥ ॥ गंजिमंसदसूधिमंसदमयचधपिंपयिमदअम्वपूदवेदचिमं
संस्थधिमंसदसठिरुयदहमसूधधमेयूनयादनकेआमयाहिंज्व ॥ ॥ प्रलापिपिजीधेयर्थ
जागिसदास्यत्वेनरुसयोगयना ॥ ॥ गुरुवाचनहेधमेसमलगगयादधेयनकमीनवाचनक

आयनायव ॥ ॥ स्वयं यो ज्ञानवे मान ॥ ॥ मन्त्रवगुणं च नया दक्षा कलं त्वर ॥ ॥ स्यं त्वं न यो
 नाथ ॥ ॥ गीतिगुणं च नया दमं स ॥ ॥ धातु न स धल स र्ध स ध न वा न यो य नाथ ॥ ॥ धीः
 धल शो वा न स्यं स यो य नाथ ॥ ॥ सुवा कृज य म स र्ध न व च क द क वे रु उ श ग क द ध गे स म र
 ग र्ध गी दामं स ॥ ॥ म स द द स धा च का शी र्ध स्यं च न के ध य चि कृ नि कृ श व त्वं न के लुं उ व उ क स
 स वा द वा स य प्यं ग ॥ ॥ यो य नाथ ॥ ॥ यं ल व सा की ध स र्ध स्यं च ड प ल व न न कृ वि ज र्ध स्यं च
 ॥ धि ॥ ॥ न यो य नाथ ॥ ॥ च ग क द क र्ध ॥ ॥ ज ल द द क र्ध ॥ ॥ वे द क र्ध ॥ ॥ ध गे स्या म न न कृ मी ला द यः
 वं का क द स्यं च यो य नाथ ॥ ॥ द क र्ध नि च र्ध द ध ल क न क र्ध स्यं न य स्या मि नाथ ॥
 द न च क लि ध ल स काल न क स्या मि नाथ नि कृ व स र्ध द स्यं च न र्ध स्यं म स्या मि नाथ ॥ ॥ क र्ध
 उ के पु र्ध मि दि द्या ल य म नि ज स्य प र्ध स्यं च न ध लि स्या न पु वा के स्या ति न स्यं क र्ध कृ द वं न
 क र्ध ग यो य द व व द व क र्ध म न च वा त्वं न क र्ध ग स्या ति उ व ॥ ॥ स्यं र्ध क र्ध स्यं च वाः

[illegible]

साधनध्वगसमलगकजकपिहंयारिजव॥ ॥ पाठदवगिस्वदनर्यंछा जवर्जमस्तसम
लगदिनप्रगिममर। चामेलानकभसादयकडीण जदवदायावकाद्यदसथासत्तेनंक
जकपिहंयारिजव॥ ॥ किमियाकिचिकित्साहाय। विठिभकेपुःगिरुनापिपयिसमरा
जसूभयाअकस्मि। वालनकंवालभाटीसकिमिनाण॥ ॥ मयेलणीत्वापझादाहंनोथ
जनसमिनाण॥ ॥ पिपयिजिनिविठिभपूअपूमधिध्वगसमलगचूहायाहाकिमिनवः
वयारिजव॥ ॥ आठवधवापूयूमनिलखंभनस्यभानककिमिनाण॥ ॥ तीठिसयूम
निलखंभनस्येकस्मिच्छाडीचनकंकिमिनाण॥ ॥ यादिशीदुनउकसस्मिग्गुमृगनैः
वालनंकंलीलाजयुकिमि। आदिनपीगससर्वधिव्यावमानक॥ ॥ ॐ नमोभ्रागगंयजम

स्वचचिह्नकदाधितिगिसदस्यमाग्रसथीजलणनासे॥ ॥ नलपोगदालंखेनभस्यलंखेन॥

ध्वजसूक्ष्माठकाकलीखसदास्यलनकेवाहीजिमडिहितिज्व॥ ॥द्वयउमरचूनयाडा
कस्मिनवालनकट्टाशुद्धिंयाप॥ ॥देवयान्नवटसगपथिदिगुसिंधुयमसखालध्वजि।
गीर्धनस्यैषांगसेयपक्षयाय॥ ॥अचूनधलसकासधलिगीननस्यैषीसयायककेल
पक्षयायटलासकट्टमलयवे॥ ॥जिपिरुलमजयपलानर्थसमिजिसमरागथया
दगनछीरुगयेपूलेखनधनानक॥ ॥धिसमिजिटंटसिमियापमनिकसुत्रिचन
के॥ ॥हलदिसायेयाकिलिखनचूनअरुग्रज्जगयालचिस्यैकारवायकेसाहनः
हुंदम्यायवठिशावासाखजध्वजस्यैखपिरुदुष्यैगुलजगकेपिरुसअरिंवाः
जसैध्वजसर्वैरिंज्व॥ ॥यूमनिसिंधुदिगुयमसखायमवाकृतसहजचूनयाडा

धर्मसर्वकावलवसुडेगेवरुसंत्वनकेभरुसवागनस्याकाशायन॥ ॐ निद्रावडीः

यमनिधुगेसमरागचनयादडीसमुग्धादिदिदिनस्यै०लासायनगुचवइ
लहिंजव॥ ॥चसलकनकुट्टाचरुनसरासथगोचसाद्यवमयचगुचनसंलीवनन

स्यैत्वनकंठेविस्यंगयायाकसवंसावत्व॥ ॥रगादिमियागिनसिमययमपिथी

॥ध॥

गुकेनेयात्रधलकुटावदास्यैथडीसजनगिरुसेकापगसपादवस्यैमात्रेदालदीध २४

लंकस्यमादसब्रवजनसककुयाहिंजव॥ ॥वेदजगमासगमगुचवागमगुचमयः

चलगुजलीवनस्यैलाकचिंनवरुनिदयके॥ ॥चलसददसजयणनमानेदवादी

लावमानेधूननावजयपासयादवनचोनलयनेवायजयपासंरागलागमरागमयव

[illegible]

नरुमेसालेखसालसंत्वनकंकाङ्कनकं॥ ॥ प्रलात्रवंठनूपकेणत्रक्तसिमलिनयप्रिय
 गुमृस्तुश्रीखुमुपिंपत्रिसाखत्रसमरागचूषयाडाकसिनेवालभकंमंसंरुदिकृशारिज्व
 श्रुवाकुत्रलाअंववकीत्रिमनचसार्धनमत्रसामत्रसमरागचूषयाडाकसिनेवालभकं
 मंसंरुदिकृशारिज्व॥ ॥ कनगीनस्वानजिनस्त्रवाहेलमनचठषत्रथगे
 ॥ धं॥ चूनयानकसिनेवालनकंमंसंरुदिकृशारिज्व॥ ॥ मोदस्याकयाचिकित्ताज्ञाय॥ ॥
 जपकेणत्रलेखननस्यपाठमात्रस्याकंलेखव॥ ॥ मननीलपिंपत्रित्यात्रमनचस्त्रे
 ननस्यज्ञाससथठवाशभउमादस्याकाठवलेव॥ ॥ अत्रमदिगद्वनगुत्रगुथगेन
 सीदायकंपाठननर्कवागनस्यासारिज्व॥ ॥ श्रुतिदागीलेखननस्यज्ञाससथठ

नवागनस्याकृष्ण ॥ का० पञ्चमस्तुत्वा बूलत्वं नदीस्य प्रादुर्गनदिनस्याकीर्णत्वं ॥ ॥ षण्
क्रिपूमनिष्क्रपूमनिलयधसृष्टिः ॥ ॥ अ० अ० सिमिदिद्वैत्यसंगित्वाङ्गकोलसिमनिधालनर्धस्य
लेपन्यायकाकमालस्याकीर्ण ॥ ॥ सपिचिगकं यादाज्ञाससर्थदधरिग्व ॥ ॥ अ० पः
मादिगदाज्ञाससंथनेताश्वदभादस्यालकयाउर्ध्वमस्याकदाज्ञाससधम ॥ ॥ ०० छिमिदि
नसीधपनरिग्व ॥ ॥ उदलकं गनः अस्तलधमकः ०० छिमिदिमधूसपधयादावागाः
धिकं नभादस्याकयांतिग्व ॥ ॥ दलकं कूमज्ञाससर्थधरिग्व ॥ ॥ इकस्वानहालपधरिग्व ॥
लीमनाज्ञाज्ञाससर्थधरिग्व ॥ ॥ कूटजं म्वनदावासीरुनयस्यमाउसपायाभाउस्याकीर्णः
वद्युः ॥ ॥ श्रीरवधुसाहनमस्तुत्वा कं धगुगुगुगुगायाद्यव्रं सापलवैत्वं ननेस्यकसि

कुठावनकंपिहिनभादस्यालपीकंलंलुमठमरिहिरिज्जपानावधि॥ दिगद्वनप्रयं
गुठुठिनस्यपायाभादस्यानिरिज्ज॥ ॥नारिभंमनिषीलंवेदजदमनिसमरागनः
रिमनाजगिनंनस्यकुगंगनकंथनित्तलददूनमिवरिनिदयकंथवर्तिनिमानूसंदद
सचानात्रमित्थानेवायवालकमात्तागोसयकूमययाठकाहस्यवल्लहस्यवर्तिनिविधयः
रिज्ज॥ ॥कथंशूलयाचिद्रित्तामद्राये॥ व्यालस्वषूयद्रसयनसथीठकथंशूलनाग॥ ३०
गुठिज्जमजपूयस्यस्वखूठथीप्रीसजाययारिज्ज॥ ॥भासरवापादुकठिनिस्वखूठद्रसं
द्रिष्यवठवखडी॥ ॥कसुठुठिमनचदेवदानूसनपय्यहिजिंसंधसमरागपाठचन
सचाननस्यस्वखूठनद्रसनमगत्यारिज्ज॥ ॥अएवराययात्रकसिन्नंवासथीठकथं

॥ध॥

गुलनास॥ ॥दधुएनसकाकलेषधनेस्यैकैर्धकर्षुषुननास॥ ॥दुगागापगुयासलसंधन
नस्यैसाभिमागुयाद्यर्थेनकर्षुषुननास॥ ॥अस्वयगंधंकूटमचलसस्यैमस्यैगिथंभाकपा
सधगसंगदिनश्चयाजिवस्वपूनेधडीधधीवूनगानवादसक्ति।कनिलंवकल।स्वपू।धगे
स्वपूधधननर्थद्रससथीकलद्विकविद्ययूडी॥जानयधसवगुगेव।श्रिगुखालदननदाहनप
ननूदकं॥धननूसेससकास्यैधककर्षुषुननास॥म्यानूसेनगुगेडी॥ ॥सूर्यरगर्कदनद
जगुयगर्धदननयगाडतिननिमाव।काद्यउसयदधस्यैस्वगधयद्रससथीनउगगनदद्रस
द्रिज्ञाननास॥ ॥अस्वयगंधसगपूयसी॥धगेगार्सवनेसस्यैस्ववूद्रससंथीनद्रसका
यादायमिश्रकृत्॥ ॥देवदानूसगपूधस्यैधुंस्वरुनेनस्यैधकनवूधुद्रसनमठावगार
वैव॥ ॥कूटपावाकूसलकवसिंकपूतकनायदास्यैधसम।एगलवननस्यैधकन

हृदिमिदिमधूमनेठिजीविस्वानसमरागयाडालेवधनेस्यवहिनियदयकंभीननंभनका
शधवगिनिनवोस्र्मैडसगायलंनीनपगशूकउदृष्टवर्त्यलागामिमित्रसथगेवसंरिग्वा॥
धरुनमनज्वश।२नृकागवद।२मयचगवद।२धगेवगिनियदयकंमी।सर्वार्थअगिदूलटासर्व
रूपप्राये॥ ॥श्रुति००॥हृदिमीदिमधुडणउरुनदासमुद्ररुसुनशभउनाचक्षकस्मिन्ननस्येव
हिनंदयकंचनक्षमिस्वात्यैरिज्व॥ ॥महाकूणहापेगभचित्रत्वंनंनस्येथीठनमिदिवाजा
लेखी॥ ॥श्रुतनाधेनासद्विमिदस्येनसनमिदिवाजायं॥ ॥समष्टिदिशिमनाडस्वष
नेद्रुउसगस्यमीदिवाजायंकषतिवाधेनवाद्रुउसंगस्यनंमिदिवाजायेव॥ ॥हृदिस्वा
नहामनवागालमूलकपूलकसीसखेदिसमष्टिदिजसननस्येवगिनियदयकंथवर्हिनवा

लमिभ्यः कसमखदिलचन॥ ॥ सउसमखदिलचनं म्यालहि मजाइयूमनिदकं जिः
 जिः ॥ मिदिथगसमं लगकर्ष॥ ॥ धसिखप्ररुक्तीसायादू प्र॥ ॥ धनसखदकाससथं दस
 जगिगडचं नदूलवेडा॥ ॥ वंशलावधसमडरुलरुलवेण न्यलजसथरुनान॥ वधगन
 पजडसया डावासनमिगे डवर्कडलंवे॥ ॥ ॥ डीजिसानरुनदूदामलवाक्षरु॥ मयचगु
 ॥ ॥ धि॥ ॥ दृष्टीपजिर्मद॥ ॥ धगलपधनसखवलिनीदयकं मीपवासमीनगिगेडवंनकुलं॥ ॥ ॥ धव
 हीनिगंठधवकसिनवालमालषेव॥ ॥ ॥ शरुनउमभिचुकेवचकायगुम॥ ॥ मयचगुम
 धगलिमजाइगिसनसथं जवचकगलीमजाइगिसवृक्षसगेदिन॥ ॥ निहालपासगधनि
 वगनंचिह्लेथवयसस॥ चूनावसिसंथनमिभरुतिगेडवंनकुलं॥ ॥ ॥ दूजउमिचिकि

सिंहिदिस्वैद्यनाचनशीतिस्वनाचनशमसिखिसरः ॥ १ ॥ सदीस्यगेधुनसधरवासथ
नमिवास्याकजावपत्रा ॥ ॥ पाटधुनस्यध्वकूटशूकं स्यावकूटविद्वटकनयपिपत्रिअशुः
जीगुयसिबिदिस्वगात्रिसकयंडदेवदायूसमलगचयसदूननस्यवह्निनिदयकंमिषा
सकरवविज्ञानतिग्वा ॥ ॥ हयदधकूटपिपत्रिमजचवेदजगमनिनाहिसषमनसि
जसमलगचयचलसदूननस्यवह्निनिदयकंमिवास्याकरवविज्ञानतिग्वा ॥
स्थनगयथकूटनस्यसिद्धलहंदासगयकंथानिहयजुथडीसत्रगिससीडलहदासग
लहनदगिंकाकूटंनस्ययलधचोयवमिथंनमिककूवलहविज्ञानमिवास्यासंतिग्वा ॥
मिवाश्रीहसनिपाट्यादडीसत्रपशुगिसकर्णजनहस्यमिवासडीत्येतिग्वा ॥ ॥ हयः

समलगयादाबंलयेनभस्यकाद्यउसकादचिचीस्यमिखासगेवत्यर्व॥ प्रजप्रधान
नयनंषत्रीलंगत्सर्वश्रकोहृदयेभजिविदमकृताकृगुरुश्चसमाजिह्वाप्रजाहिमोव
हादिव्याकनायथ॥ ॥ गवीनयापत्रप्रधानशूननेग्रसमग्रइह्याहृदयगशप्रधान
नशूनजिह्वीनग्रयादनमयादनयाकस्येपासाशीहृगशप्रजालोकासकेदिगहनज
थीसपिलपाभेदिगंशगकिनागोननिष्पस्यग्रयउप्राधुइनापजनप्रवेण। यथो
सनादानविह्वयचिगावृधेकिनुंत्मीनयेक्षप्रिक्षापा॥ अथनागिसंज्ञागवक्षानरुद
मदननाडाभिखासकाकनावप्रचात्रयागडावत्ससम्भकेसकापइहदावगावगिः
इनविदायागडावनेसआसनविवरुत्सपथमदूतडाकमिखायागिहृदवः

कपत्रपयूत्र॥ ॥ नाथ नो यथा चित् तिस्रा प्राय ॥ एदा किमिहा लयेन न स्पमिहं
सपानेन प्रास भद्रिहा वडडी ॥ ॥ रुट सहा लन न स्पमिहं सपानेन प्रासिहा वक प्र ॥
नवपूतपक्ष न स्पगे वचन वग वक्त सस थं न प्रासिहा वलानं वे ॥ ॥ रुट न ॥ इमि
दिक मिधिलेया नाल सापन भवा लन य प्रासिहा वदिके वेव ॥ क सी धाले नाल रुन ॥
॥ ध ॥ गुल गीया हा सापन वा पक्ष न स्प त्वन क प्रासिहा वडि ववेव ॥ ॥ नात्रि सव ॥
साया च ध ग्री वु भु मिदि सड गन हा नृ स थ गे वा सल न वक्ति सा एन ध की वाला व
मं सर प्रासिहा वडि क ॥ ॥ यं ग ध म सं र मि म के सिं मे सर मा द व डि मे सर व न वट म
सर स्प ध मे सं र जी त्रि स्वा न वी ल म सं र व के ध प्र र ल व कू ल ॥ ध गे ध न प्रा स स व व कू कू

३४

गकाठस्वास्त्यु॥ ॥ शुद्धिर्न १० पिपिती १० यमस्वस्व १० पिपिती १० पिपिती १०
लर्मस १० चैगकर्मस १० मनचर्मस १० यस्तनामूनर्मस १० वंत्तचर्मस १० निर्मस यमः
निर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १०
वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १०
पिपिती १० यस्तनामूनर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १०
यकास्यारि १० ॥ शुद्धिर्न १० यस्तनामूनर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १० वंत्तचर्मस १०
वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १०
वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १०
वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १० वत्तचर्मस १०

धीपजिसवर्षेधगममलगचूषयादानयपिहिरुषमसमासाकवडीयारिउव॥ ॥
 एवंहचवे। शूकम्यानमेसरपिपनिर्मसधवंशनाचक्षमसधउदनमेसधरचकनध
 धलकमनिनवासधकेस्यअशकासरिधूधनदिडीयारिउव॥ वानग्रीखधुडरुलख
 केनकदसमनिचूनयादिहाकयारिउव॥ उशनहोवा दधलेकेपूगधुसूकसार्वनः
 समलगचूनयादानकेअंअंयस्यस्याकजकूपिहिरुआयकासस्वास्यारिउव॥ प्रः
 स्विनामूनधुठिदनदमसूपिपनिअनवालचावधुसजसमलगमासाकलरिउव॥
 वंशनाचक्षगवअजदूदूवाचनकसक्तिकूननोनदिववयारिउव॥ ॥ स्वास्या
 चित्रित्साहाय॥ मनचपिपनिअचकिहिसिदिहउवाचूनयादसेनवालचक

॥ध॥

३९